सही बातें
आनंद

आशीषानुकंपा
शतादी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक
समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
आनंद

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाड्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
आनंद

अगर
आपका समय
अच्छा चल रहा है
तो तलवार से भी
आपकी मृत्यु नहीं हो सकती
और
समय खराब चल रहा है
तो घाँस के चुबने से भी
आपकी मृत्यु हो सकती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

परोपकार की भावना
कुछ और नहीं
सुख बाँटने की भावना है,
जिसके अंदर
परोपकार की भावना नहीं
वह मनुष्य होकर भी
जड़ पाषाण की तरह है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दुनिया के लोग
हमेशा आपका साथ देंगे
ऐसी मान्यता बेकार है,
जब स्वयं की
श्वास का भरोसा नहीं;
तब दूसरों का
क्या भरोसा करना ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

पाप कभी भी
भला नहीं होता है,
पाप करने के बाद
जो अशांति की ज्वाला
मन में उत्पन्न होती है
वह आपके शुभ भावों
और
पुण्य को झुलसा देती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दुनिया में
धर्म, विशुद्धि, पुण्य
और
यश से बड़ी
कोई भी संपत्ति नहीं है,
जिसके पास ये चारों नहीं
वही सबसे बड़ा निर्धन है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

कीर्ति
गुलाब के
पुष्प की तरह होती है,
जैसे गुलाब का पुष्प
अपनी महक
घर-घर नहीं पहुँचता
वो तो हवा के द्वारा पहुँचती है,
वैसे ही
कीर्ति की महक
कोई नहीं पहुँचाता
वो तो सहज ही पहुँचती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आपके मित्र
आपकी प्रशंसा करें
तो कोई बड़ी बात नहीं है,
अगर आपके शत्रु
आपकी प्रशंसा करें;
तो सचमुच आप प्रशंसनीय हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जितना दुःख
कुपुत्र के जन्म लेने पर
परिवार को होता है,
उसमें कई अधिक दुःख
कुशिष्य के जन्म लेने पर
गुरु को होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

बिना बुलाये
किसी के भी घर मत जाइये,
और
बिना पूछे
किसी की भी चीज़ मत उठाइये;
ये दोनों ही काम
आपको दुःखी कर सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जहाँ आपके
शब्दों की कीमत न हो
वहाँ मौन रहना चाहिये,
क्योंकि
कोयल भी
वर्षाऋतु के प्रारम्भ में
मौन हो जाती है;
वह समझ जाती है
मेंढ़क टर-टर करने लगे हैं;
अब उसे कोई सुन नहीं पायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जब कोई
पुण्य का सदुपयोग करता है
तो पुण्य बढ़ता है
और
दुरुपयोग करता है
तो पाप बढ़ता है;
इसीलिये
कभी भी अपने पुण्य का
दुरुपयोग मत कीजिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

विरोध की प्रतिक्रिया से
आप
विरोधी की तरफ
आकर्षित होते हैं,
इसीलिये
विरोध को सहें;
प्रतिक्रिया न करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आपका भविष्य
संयोग से नहीं बनता,
वह तो बनता है
सही पुरुषार्थ
और
सही चयन से,
इसीलिये
सही भविष्य के लिये
सही की ओर बढ़ें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आप दुनिया को
कैसे देखते हैं,
इससे महत्त्वपूर्ण है कि
आप दुनिया को
कैसे दिखते हैं,
जितना जरूरी अच्छा देखना है
उससे ज़्यादा जरूरी
अच्छा दिखना भी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

हर कोई
अपने ही अनुसार जीता है,
न तो
आप दूसरों के अनुसार जीते हैं,
और
न ही दूसरे
आपके अनुसार,
इसीलिये
दूसरों की जगह
स्वयं को देखें
तो जीवन शांतिमय रहेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

ईर्ष्या
आपके अंदर उत्पन्न हुई
एक ऐसी अग्नि है
जिससे आप
दूसरों को जलाना चाहते हैं,
लेकिन
होता उल्टा ही है
ईर्ष्या की अग्नि में
आप स्वयं जलते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आप
जितना ज़्यादा देते हैं
आपको
उतना ही ज़्यादा मिलता है,
क्योंकि
प्रकृति को भी पता है
जो राहगीर को छाँव देता है
पत्ते भी
उसी वृक्ष में ज़्यादा होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

ऊँचे पदों में बैठकर
नीचे काम करनेवाले
नीचों में नीच हैं,
शायद उनके लिये
नरकों में भी जगह नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अगर किसी की बातें
आपका मनोबल गिराती हों
तो उन्हें न सुनें
और
सुनना भी पड़े
तो अनसुना कर दें,
क्योंकि
ऐसी बातें
आपके हौसलों को
छोटा कर सकती हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आपके द्वारा
किये गये अच्छे कार्य को
कोई देखे या न देखे,
पर
आप अपने कार्य को
विराम मत दीजिये,
क्योंकि
अच्छे कार्य की प्रसिद्धि में
समय लगता है;
पर
उसकी प्रसिद्धि
चिरकाल तक रहती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आप स्वयं को
स्वयं से ही प्रोत्साहित करें,
विश्वास मानिये-
आप में कई ऐसे गुण हैं
जिनके निखर जाने पर
आपकी दुनिया सँवर जायेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

संसार की
बहुत सी अवस्थाओं से
अभी आप अंजान हैं,
अगर उन अवस्थाओं को
आप जान जायेंगे तो
संसार से घृणा हो जायेगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

सपने देखना अच्छा है
सपनों के लिये
पुरुषार्थ करना भी अच्छा है,
परन्तु
सपनों के पूरे न होने तक
उत्साह का भंग न होना
सबसे अच्छा है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जितना हमें
किताबें नहीं सिखाती हैं,
उतना हमें
अनुभव सिखा देते हैं,
इसीलिये
समझदार लोग
किताबों से ज़्यादा
अनुभव को पढ़ते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दु:ख सहना अच्छा है
पर किसी का
एहसान लेना अच्छा नहीं है,
कुछ समय बाद
दु:ख के दिन तो निकल जायेंगे;
पर एहसान
ज़िंदगी भर चढ़ा रहता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

इस अल्प जीवन में
सुख के दिन अल्प
और
दुःख के दिन अधिक हैं,
इसीलिये
सुख के उन अल्प दिनों को
इतने अच्छे से जियें कि
दुःख के दिनों में
उनकी याद बनी रहे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जब आपके अंदर
उत्पन्न हुई इच्छाये
पूरी नहीं होती
तभी आपको
दुःख का अनुभव होता है,
अगर आप
दुःख नहीं चाहते हैं
तो इच्छायें भी न करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

छोटी सोच वालों को ही
दुःख के दिन
प्रभावित कर पाते हैं,
जिस दिन आप
दुःख के दिनों में भी
मुस्कुराते रहें;
समझ लीजिये
आपकी सोच बड़ी हो गई है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

रोना
किसी भी चीज़ का
उपाय नहीं है,
आपके आँसू
आपकी कमज़ोरी को बताते हैं
और
आपकी मुस्कुराहट
आपकी ताकत को...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

मौसम की तरह
सुख-दुःख भी स्थाई नहीं हैं,
इसीलिये
सुख में
न तो खुश हों
न ही दुःख में दुःखी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

कुछ लोग
तन से दुर्बल होते हैं
कुछ लोग मन से,
तन की दुर्बलता
ज़्यादा नुकसान दायक नहीं है;
परन्तु
मन की दुर्बलता
हमेशा आपका नुकसान करा देती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अगर आप में
गुण ग्राहिता है
तो आप भी
महापुरुषों की तरह बन सकते हैं,
लेकिन
दोष ग्राहिता है
तो आप
महाहीन पुरुष हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

काम न बनने पर
दुर्भाग्य को नहीं
अपने पुरुषार्थ को कोसिये,
क्योंकि
दुर्भाग्य कुछ और नहीं
आपके पूर्व का पुरुषार्थ ही है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दुर्भावना
एक ऐसा जहर है
जिससे आप
दूसरों को मारना चाहते हैं,
मगर
आप जानते नहीं हैं
यह जहर
आपके ही अंदर उत्पन्न होता है
और
वह आपको ही मारता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दुर्वचन
कभी मत बोलिये,
जरा सोचिये-
जब दुर्वचन
पशुओं को पसंद नहीं है,
तो मनुष्यों को
कैसे पसंद होंगे ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जब भी आप
दुविधा में हों कि–
यह करूँ या वह करूँ,
तब दिमाग की नहीं
दिल की बात मानना;
आप कभी भी
असफल नहीं होंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अशुभ के काल में
जो आपका साथ दे
वो दुश्मन होकर भी दोस्त है
और
जो साथ छोड़ दे
वो दोस्त होकर भी दुश्मन है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अगर समय में
आपकी समझ काम करती है
तो ही आप समझदार हैं
और
समय निकलने पर
समझ काम करे
तो आपको
समझदार होने की जरूरत है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दुनिया को आप पर
विश्वास हो या न हो
पर आपको खुद पर
विश्वास होना चाहिये
अगर
आपको खुद पर विश्वास है
तो दुनिया को
एक दिन आप पर
विश्वास करना ही पड़ेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

हारने पर
बहाना वो ही लोग बनाते हैं
जिनमें
आत्म–विश्वास की कमी हो,
जो आत्म–विश्वासी होते हैं
वो लोग बहाने नहीं
अपनी गलतियाँ ढूँढ़ते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

मुसीबतें सह लें
पर
मदद कभी नहीं माँगें,
क्योंकि
मुसीबतें
थोड़े समय के लिये आती हैं,
पर
उन मुसीबतों में
जो लोग आपकी मदद करते हैं
उनका एहसान
वो जीवन भर
आप पर लादते रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जब भी कोई घमण्डी व्यक्ति
शान्त या विनम्र व्यक्ति के पास बैठता है,
तो निश्चित ही
उसे समझ में आ जाता है–
'वह घमण्डी है'
यह बात अलग है
कि वह
किसी से कह नहीं पाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अगर आप बड़े होकर भी
किसी के काम नहीं आते
तो आपका बड़ा होना बेकार है,
क्योंकि आप
उस समुद्र के समान है,
जो किसी की
प्यास नहीं बुझा पाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जब कोई
अपना हमसे दूर होता है
तब
ज़्यादा तकलीफ नहीं होती,
लेकिन
जब अपने
पास होने पर भी
दूरियाँ बना लें
तब बहुत तकलीफ होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

किसी भी व्यक्ति की
परीक्षा के लिये
उसे काम देना चाहिये,
आलसी लोग
कठिन काम को करने के
सरल तरीके ढूँढ़ते हैं;
वहीं फुरतीले लोग
कठिन काम को भी
सरल कर देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

झूठ
आपकी छवि को
खराब कर देता है,
साथ ही साथ
आपका विश्वास भी
समाप्त कर देता है;
इसलिये
झूठ का सहारा
कभी मत लीजिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

स्वयं
मुश्किलों से निकलने के
और
दूसरों को भी
मुश्किलों से निकालने के
दो ही उपाय मुझे आते हैं,
एक तो माफी माँगना
और
दूसरा माफ करना...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जो लोग
पैसों से भगवान को
खुश करना चाहते हैं,
उनसे मेरा कहना है
भगवान को कभी
पैसों की जरूरत नहीं होती
भगवान तो
श्रद्धा और भक्ति से ही
खुश हो जाते हैं
और
आप व्यर्थ ही
पैसे बरबाद करते रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दान देना अच्छी बात है
पर
सहारा देना
और भी अच्छी बात है,
अगर
आप दान देना जानते हैं
तो सहारा देना भी सीखिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आगे बढ़ने के लिये
बीज की तरह छुपना पड़ता है,
लेकिन जो लोग
प्रारम्भ में ही दिखना चाहते हैं,
उनका
इस दुनिया को दिख पाना
बड़ा मुश्किल है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दिल का घाव
और
दिल से लगाव
ये दो चीज़ें
इंसान कभी नहीं भूल पाता है,
मैंने
भूलने का बहुत प्रयास किया,
पर
असफल रहा हूँ
शायद आपका भी
कुछ ऐसा ही हाल होगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अच्छे वक्त में लोग
प्रभु-भजन भूल जाते हैं
और
बुरा वक्त आने पर
प्रभु-भजन में लग जाते हैं,
लेकिन
जो लोग अच्छे वक्त में भी
प्रभु-भजन में ही लगे रहते हैं
उनका बुरा-वक्त
कभी नहीं आता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

वक्त कितना ही
खराब क्यों न हो,
पर
अपने मन को
खराब मत कीजिये
अगर
मन खराब हो गया
तो खराब वक्त
कभी नहीं जायेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जरूरी नहीं
ऊँची इमारतों में रहनेवालों की
सोच भी ऊँची ही हो,
कुछ लोग तो
ऊँचे में रहकर भी
बहुत नीचा सोच लेते हैं,
ऐसे लोग
चील की तरह होते हैं ;
ऊँचे में रहकर भी
वे नीचे ही देखते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

हमेशा प्रगति के लिये
अच्छी नीतियों का प्रयोग करें,
क्योंकि
जिनकी नीतियाँ अच्छी नहीं होतीं
अकसर उनकी
प्रगति भी नहीं होती ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जो भी आपके साथ रहे
उसे अपना मत मानिये,
जो आपको सहारा दे
उसे ही अपना मानिये,
सच है
अपनों की पहचान
साथ में रहने से नहीं
सहारा देने से होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अच्छे लोग
मिट्टी के समान होते हैं,
गुणों का पानी पड़ने पर
नरम हो जाते हैं,
मगर
दुर्जन लोग
बालू रेत के समान होते हैं,
चाहे आप
गुणों का पानी डाले या घी;
वे हमेशा रूखे ही रहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

संघर्ष
कोई बलाय नहीं है
वह तो
शक्ति,
समता
और
क्षमता को बढ़ाने का
एक सुनहरा अवसर है,
इसलिये
जब भी संघर्ष के दिन आयें
उन्हें सहर्ष स्वीकारें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

झूठ बोलने में
बहुत तैयारियाँ करनी पड़ती हैं,
पर
सत्य बोलने में
कभी कोई तैयारी
नहीं करनी पड़ती,
इसलिये
सत्य बोलिये
झूठ छोड़िये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जीत का
हौसला सीखना हो
तो एक पूरा दिन
चींटी को देखिये,
वह हज़ारों बार गिरती है
वह हज़ारों बार उठती है
एक समय
ऐसा भी होता है कि
वह गिरते-पड़ते
सफल हो ही जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

मित्रों के लिये कभी भी
माता-पिता को मत छोड़ देना,
क्योंकि
मित्र फल की तरह है
और
माता-पिता जड़ की तरह हैं,
जड़ रहेगी
तो ही नये फल हमेशा मिलते रहेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

सत्य कितने ही
खराब ढ़ंग से कहा जाये,
पर वह हमेशा
सत्य ही रहेगा,
पर
झूठ कितने ही
सही ढ़ंग से कहा जाये
पर वह हमेशा
झूठ ही रहेगा,
कहने की शैली का नाम
सत्य नहीं है,
सत्य तो सत्य ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जीवन में बाधायें तो
हर किसी को आती हैं,
पर
जो नहीं देखता मुड़कर
वही सब कुछ सहकर
बाधाओं को पारकर
मंज़िल तक पहुँच जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

कुछ उपदेश
संतों की वाणी से खिरते हैं
और
कुछ उपदेश
उनके आचरण से खिरते हैं,
वाणी का उपदेश
दिल और दिमाग को छूता है
और
आचरण का उपदेश आत्मा को छूता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

स्वर्ण और मनुष्य को
बिना परीक्षा के
मत स्वीकारना,
क्योंकि
बिना परीक्षा के
स्वीकारे गये स्वर्ण और मनुष्य
मौका पड़ने पर
धोखा दे जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अपनी प्रिय चीज़ों के लिये
अपने प्रिय मित्रों को छोड़ना
अच्छी बात नहीं
नासमझी ही है,
क्योंकि
चीज़ों का उपयोग करके
जो खुशी मिलेगी
उसे बाँटने वाला ही कोई नहीं रहेगा,
तो आप उस खुशी का
करेंगे क्या...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जैसे
तलवार की कीमत
धार चढ़े पानी से होती है,
वैसे ही
आपके व्यवहार पर चढ़े
सच्चाई के पानी से ही
आपकी कीमत होती है;
अगर
व्यवहार में सच्चाई नहीं
तो आपका जीवन भी
किसी काम का नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

'तुम' शब्द का प्रयोग
आप दो ही लोगों के लिये करते हैं,
एक तो मित्र के लिये
दूसरा शत्रु के लिये
और
इन दो लोगों को ही
आप अपने
दिल की बात बता पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अपने स्वार्थ के लिये
किसी का दिल
कभी मत दुखाना,
जब भी आप
किसी का दिल दुखायें
तो समझ लेना
आप अपने आपको
हैवानियत से जोड़ रहे हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

आपके हारने पर
जब भी आपको लगे कि
मित्रों का स्वभाव बदल गया है
तब समझना
आप गलतफहमी में हैं,
स्वभाव नहीं बदला है
उसका असली चेहरा
सामने आ गया है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जिसे आकर्षित करना पड़े
वह सच्चा साथी नहीं है,
जो आपको खुशी दे
और
स्वतः आप से प्रभावित हो
वही सच्चा साथी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जिन भी रिश्तों का अंत हो
समझ लेना,
वे रिश्ते नहीं
समझौते हैं,
जिनका अंत न हो
वे समझौते भी
रिश्ते बन जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दुःख के दिन आने पर
लोग समय को दोष देते हैं,
मगर
समय कभी किसी का
बुरा नहीं करता,
सच बतायें –
समय तो
आपके ही किये को
समय पर दिखाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अनुकूलता में तो
हर कोई
शांत रहना जानता है,
पर
प्रतिकूलता में
जो शांत रहना जानता है,
जीवन का आनंद लूटना
वही जानता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

बुरे दिनों में
समझौते से अच्छी समझ
कुछ और नहीं है,
अगर आप
समझौता नहीं कर पायेंगे,
तो बुरे दिन भी
कभी नहीं जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जितनी शक्ति
शरीर में होती है
उससे गई गुनी शक्ति
आत्मविश्वा में होती है,
जिसने
शरीर के साथ-साथ
आत्मविश्वास की शक्ति जगा ली,
समझ लेना
उसने जीत का रास्ता खोज लिया...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

सबसे ज़्यादा उपजाऊ मिट्टी
दिल के खेत की होती है,
चाहे आप
प्रेम उगाइये
या फिर नफरत
दोनों ही जल्दी उग जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

हार होने पर
शक्ति को नहीं
संकल्प-शक्ति को दोष दीजिये,
गलती किसी और की हो
और
दोष किसी और को दिया जाये
तो आप ही बताइये
सुधार कैसे हो पायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

हर पक्षी की उड़ाने में
कुछ–न–कुछ अंतर
जरूर होता है,
ऐसा क्यों होता है?
जब मैंने इस बारे में सोचा –
तो उत्तर एक ही मिला
अंतर पक्षियों में नहीं
हौसलों में होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

संपत्ति का आनंद लूटना है
तो उसे दान करें
केवल उसे पास में न रखें,
पास में रखने से
वह रखी रह जायेगी
और
दान देने से
साथ में ही जायेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

हमें तोहफे के रूप में
बहुत सी चीज़ें
अपने इष्टजनों से मिलती हैं,
मगर
उन तोहफों में
यादों के तोहफे को
आप कभी वापस नहीं कर पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

दुनिया को रिझाने के लिये
दिखावा जरूरी है,
पर
भगवान को रिझाने के लिये
दिखावा नहीं
समर्पण जरूरी है,
दिखावे से
वो ही लोग प्रसन्न होते हैं
जिन्हें दिखावा पसंद हो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

सेवा और परवाह
ये दो गुण जिसमें हैं,
वो कभी
अकेला नहीं रहेगा,
सेवा करने से
लोग आपकी परवाह करेंगे
और
परवाह करने से
लोग आपकी सेवा करेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

किसी की सरलता को
उसकी कमज़ोरी मत मानिये,
हवा और पृथ्वी
बहुत सरल-स्वभावी हैं,
पर
जब वे परेशान करते हैं
तब उन्हें संभालना
किसी के बस की बात नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

जैसे
छंद में एक मात्रा भी
ऊपर–नीचे हो जाये
तो छंद का आनंद
भंग हो जाता है,
वैसे ही
जीवन में किये हुये
एक ऊँचे–नीचे काम के कारण
आपके जीवन का आनंद
भंग होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

तर्कों के उत्तर
न दे पाने पर,
उन्हें व्यंग्य के द्वारा
उड़ा देना;
जीत की एक अद्भुत कला है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

छात्र के ज्ञान
और
व्यक्तित्व की वृद्धि
जितनी शिक्षक के हाथ में है
उतनी ही छात्र के हाथ में भी है,
इसलिये
जितनी मेहनत शिक्षक करे
उतनी छात्र को भी करे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

ख्याति बढ़ते ही
आलोचकों
और
ईर्ष्यालुओं की संख्या भी
बढ़ जाती है,
इसलिये
जब आप
ऊपर उठ रहे हों
तो फिर
ईर्ष्यालुओं की चिंता न करें,
उन्हें तो
आपकी ख्याति का
संकेत देनेवाला ही समझिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
आनंद

अगर डरना ही हो
तो अपनी कमज़ोरियों से डरें,
अपनी बुरी-आदतों से डरें,
क्योंकि
दुनिया में
आपको गिरानेवाला
कोई और नहीं
आपकी बुरी आदतें ही हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो दिल का बड़ा होता है
मैं उसे ही
बड़ा इंसान मानता हूँ,
क्योंकि
जिसका दिल बड़ा नहीं
उसके बड़े–बड़े काम भी
छोटे ही होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

अगर आप
अपना भला चाहते हैं,
तो फिर
दूसरों का भला करना भी सीखिये,
क्योंकि
भला उसी का होता है
जो दूसरों का भला करता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर